एक नजर में

सिंधी नाट्य समारोह का हुआ समापन

उज्जैन। सिंधू प्रवाह अकादमी द्वारा राष्ट्रीय सिंधी भाषा विकास परिषद नई दिल्ली एवं सिंधू जागत समाज के सहयोग से आयोजित प्रथम सिंधी बाल नाट्य समारोह का समापन मनीष देवनानी बोर्ड मेंबर एनसीपीएसएल एवं सुनील खत्री न्यू ऑक्सफोर्ड जूनियर कॉलेज के आतिथ्य में कालिदास सम्मान अकादमी में हुआ। नाट्य समारोह के संयोजक राजकुमार परसवानी ने बताया कि समारोह की द्वितीय एवं समापन संध्या पर नाटक खिचणीय जो राज रंग सिंधु इंदौर का मंचन युवा निर्देशक जय पंजवानी के निर्देशन हुआ। जिसमें बाल कलाकारों ने बहुत ही उम्दा अभिनय से दर्शकों का मनोरंजन किया। नाटक में भाग लेने वाले कलाकारों मे मंच पर आराधना चावला, अरिशा अरोरा, कार्तिक आघीचा, आरोही राजानी, गणेश आघीचा रहे। मंच परे सिन्धी अनुवाद राजकुमारी पंजवानी, वेशभूषा काजल पंजवानी, ताल वाद्य आर्यन गर्ग, संगीत संचालन ईशा वीरवानी, प्रकाश संचालन संजय वर्मा, मंच व्यवस्था मनोज वीरवानी, मंच सामग्री राजकुमारी पंजवानी का रहा। मनीष देवनानी एवं चिमन दास लखाणी को सिंध्यत जी शान अवार्ड एवं राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय स्तर विभिन्न क्षेत्रों में कार्य कर रहे पांच युवाओं मुकेश सोनी सी.ए. शिक्षा विद्, तरुण रोचवानी को सम्मानित किया गया। वहीं दर्शकों को प्रोत्साहित करने के लिए पांच स्कूल बैग, चार स्मार्ट वॉच, एक लैपटॉप प्रोत्साहन पुरस्कार स्वरूप दिए गए। कार्यक्रम में स्वागत भाषण गोपाल बलवानी, कार्यक्रम की रूपरेखा कुमार किशन अध्यक्ष सिन्धू प्रवाह अकादमी द्वारा कार्यक्रम का संचालन हर्षिता धनवानी एवं अतिथियों का स्वागत दौलत खेमचंदानी, डॉ. पल्लवी किशन, राजकुमार परसवानी, रोहित सामदानी, विजय भागचंदानी ने किया।

सफाई के साथ-साथ सम्मान एवं स्वागत भी

उज्जैन। बाबा महाकाल की चतुर्थ सवारी निकलने के पश्चात सवारी मार्ग को सफाई मित्रों द्वारा साफ स्वच्छ किया। सोमवार को बाबा महाकाल की चतुर्थ सवारी महाकालेश्वर मंदिर से प्रारंभ होकर विभिन्न मार्गों से होते हुए नगर भ्रमण के लिए निकली। सवारी से पूर्व नगर निगम आयुक्त आशीष पाठक के निर्देश अनुसार स्वास्थ्य विभाग द्वारा सफाई व्यवस्था का विशेष रूप से ध्यान रखते हुए सफाई कार्य संपादित किया गया। सवारी निकलने से पूर्व नगर निगम द्वारा संपूर्ण सवारी मार्ग को पानी के टैंकर से धुलवाया गया। साफ एवं स्वच्छ सवारी मार्ग पर सुंदर रंगोली बनाई गई। इसी के साथ सवारी निकलने के पश्चात नगर निगम के सफाई मित्रों द्वारा सवारी मार्ग को साफ एवं स्वच्छ करते हुए स्वच्छता का संदेश दिया गया। इस दौरान स्वागत मंच के माध्यम से सफाई मित्रों पर पुष्प वर्षा करते हुए एवं दुपट्टा ओढ़ाकर स्वागत सम्मान भी किया।

वैष्णव ने किया श्री गिरिराजजी का अभिषेक

उज्जैन। श्री वल्लभ वैष्णव मंडल, युवा मंडल एवं महिला मंडल के संयुक्त संस्थापक विट्ठल नागर के नेतृत्व में गिरिराज यात्रा सिरपोई का आयोजन किया गया। मीडिया प्रभारी दीपक राजवानी में बताया कि लगभग 125 वैष्णव यात्रा में सम्मिलित हुए। मंडल के संरक्षक श्याम माहेश्वरी, रमेश चतुर्वेदी, आनंद पुरोहित, जयेश श्रॉफ द्वारा हरी झंडी दिखाकर बस को यात्रा के लिए रवाना किया गया। रास्ते पर बस में सभी यात्री भजन कीर्तन करते हुए मंदिर पहुंचे सर्वप्रथम आगर में मेठी परिवार द्वारा सभी वैष्णव को स्वल्पाहार कराकर सावन मास में यह धर्म लाभ लिया गया साथ ही सभी वैष्णव का सम्मान किया। यात्रा सिरपोई गिरिराज धाम पर पहुंची जहां पर श्री गिरिराज जी का अभिषेक, पूजन, अर्चन एवं भोग धराया गया। महाआरती के पश्चात सभी वैष्णव जन ने महाप्रसाद का आनंद लिया। गिरिराज मंडल सिरपोई द्वारा संस्था के संस्थापक संयोजक विट्ठल नागर का सम्मान किया गया एवं सभी यात्रियों ने पुजारीजी से आशीर्वाद लिया। वापसी में यात्रा बगलामुखी माताजी नलखेड़ा, श्रीनाथजी धाम नलखेड़ा, बैजनाथ के दर्शन करने के पश्चात आगर होते हुए वापस उज्जैन पहुंची। यात्रा के संयोजक वल्लभ माहेश्वरी, चंद्रशेखर माहेश्वरी, अंशुल नीमा, वैभव नागर, पल्लवी नागर, चित्रा नीमा ममता अमर दिसावल थे। यात्रा में संस्था के पन्नालाल शर्मा, अमित नागर, नितिन नीमा, अमर दिसावल, विशाल नीमा, अखिलेश नागर, संगीता नागर, दीपा नागर उपस्थित थे। अंत में विट्ठल नागर एवं विशाल नीमा ने आभार माना।

शिव मंदिर प्रांगण में किया पौधारोपण

उज्जैन। एक पौधा मां के नाम कार्यक्रम के अंतर्गत लायंस क्लब उज्जैन अवंतिका एवं दीप ज्योति वेलफेयर सोसाइटी के संयुक्त तत्वाधान में तिरुपति सिल्वर कॉलोनी, शिव मंदिर प्रांगण पर पौधारोपण कार्यक्रम संपन्न हुआ। सोसाइटी अध्यक्ष डॉ दीपक जैन ने बताया कि इस अवसर पर प्रकाश चित्तौड़ा, पूर्व सभापति सोनू गहलोत, राकेश भार्गव, मंदिर समिति अध्यक्ष दिलीप जैन, झोन चेयरपर्सन दिनेश राठौर, क्लब अध्यक्ष रवि श्रीमाली, लायन शरद शर्मा, जितेन्द्र शर्मा, सुभाष विश्वकर्मा, कैलाश सोनी, मनोज शाह, गजेंद्र पांडे एवं अन्य समिति सदस्यों द्वारा मंत्रोच्चार और वृक्षों के पूजन कर रोपण किया गया।

महाकाल बाबा की एक झलक पाकर भक्त हुए निहाल, चार लाख श्रद्धालु बोले -जय श्री महाकाल

भोले-शंभू भोलेनाथ के जयकारों से गूंजा भगवान श्री महाकाल का सभामंडप, श्री चंद्रमौलीश्वर का पूजन-अर्चन किया

उज्जैन। पवित्र सावन माह के अंतिम सोमवार को भूत भावन बाबा महाकाल जब रजत जड़ित पालकी में आरूढ़ होकर भक्तों को दर्शन देने के लिए नगर भ्रमण पर निकले तो मार्ग के दोनों छोर पर श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ा था। बाबा की एक झलक देकर भक्त निहाल हो गए, और बाबा महाकाल के जयकारे लगाते रहे।

नवभारत से चर्चा में जिला कलेक्टर एवं महाकाल मंदिर प्रबंध समिति के अध्यक्ष रोशन कुमार सिंह एवं मंदिर प्रशासक प्रथम कौशिक ने बताया कि हर बार की तरह इस बार भी बाबा महाकाल की सवारी में नवाचार किए गए थे और मध्य प्रदेश पर्यटन विकास निगम की झांकी भी शामिल थी। जिसमें पालकी में श्री चन्द्रमौलेश्वर, गजराज पर श्री मनमहेश, बैलगाडी में गरूड पर शिवतांडव एवं बैलगाडी में नंदी पर श्री उमा-महेश के स्वरूप में विराजमान होकर अपनी प्रजा का हाल जानने नगर भ्रमण पर निकले।

श्री महाकालेश्वर मंदिर परिसर के सभामंडप में विधायक सतीश मालवीय, कलावती यादव, मुकेश टटवाल, संजय अग्रवाल, रौशन कुमार सिंह, पुलिस अधीक्षक प्रदीप शर्मा, एडीएम एवं प्रशासक प्रथम कौशिक आदि ने भी भगवान श्री चंद्रमौलीश्वर का पूजन-अर्चन किया और आरती में सम्मिलित हुए। सभी गणमान्यो ने पालकी को कंधा देकर नगर भ्रमण हेतु रवाना किया।

श्री महाकालेश्वर भगवान की चतुर्थ सवारी निकलने के पूर्व श्री महाकालेश्वर मंदिर के सभामंडप में भगवान श्री चंद्रमोलीश्वर का पूजन मध्यप्रदेश शासन के परिवहन व स्कूल शिक्षा मंत्री उदयप्रताप सिंह द्वारा किया गया, पूजन शासकीय पुजारी पं. घनश्याम शर्मा ने सम्पन्न करवाया। श्री महाकालेश्वर की श्रावण माह में निकलने वाली सवारियों के क्रम में चतुर्थ व अंतिम सोमवार को सायं 4 बजे परंपरानुसार श्री महाकालेश्वर भगवान की सवारी धूमधाम से निकली। सवारी में भगवान श्री महाकालेश्वर ने चार विभिन्न स्वरूपों में भक्तों को दर्शन दिये। पंचम सवारी 11 अगस्त 2025 को निकलेगी। इस दौरान पालकी में श्री चन्द्रमौलेश्वर, हाथी पर श्री मनमहेश, गरूड़ रथ पर शिवतांडव, नन्दी रथ पर उमा-महेश और डोल रथ पर होल्कर स्टेट के मुखारविंद सम्मिलित रहेगा।

गार्ड ऑफ़ ऑनर दिया, शिप्रा जल से अभिषेक

सभामंडप में पूजन उपरांत अवंतिकानाथ भगवान श्री चंद्रमौलीश्वर के स्वरूप में पालकी में सवार होकर अपनी प्रजा का हाल जानने और भक्तों को दर्शन देने के लिए नगर भ्रमण पर निकले। पालकी जैसे ही श्री महाकालेश्वर मंदिर के मुख्य द्वार पर पहुंची, सशस्त्र पुलिस बल के जवानों द्वारा पालकी में विराजित भगवान श्री चंद्रमौलीश्वर को सलामी (गार्ड ऑफ ऑनर) दी गई। राजाधिराज भगवान महाकालेश्वर की सवारी में लाखो भक्त भगवान शिव का गुणगान करते हुए तथा विभिन्न भजन मंडलियां झांझ-मंजीरे, डमरू बजाते हुए चल रहे थे। सवारी मार्ग के दोनों ओर श्रद्धालु पालकी में विराजित चन्द्रमौलीश्वर के दर्शन के लिए खड़े थे। पालकी सामने से निकली तो गुणगान एवं पुष्प वर्षा कर अपने आपको श्रद्धालु धन्य मान रहे थे। रामघाट पर मां क्षिप्रा के जल से भगवान का अभिषेक और पूजन किया गया। इसके बाद गोपाल मंदिर पहुंची। जहां सिंधिया ट्रस्ट के पुजारी द्वारा पालकी में विराजित श्री चन्द्रमौलीश्वर का पूजन किया गया। श्री महाकालेश्वर मंदिर पहुंचने के पश्चात सवारी का विश्राम हुआ।

यह प्रमुख मंडली रही शामिल

मनीष सिसोदिया के नेतृत्व में मध्यप्रदेश में धार से भगोरिया नृत्य, मोजीलाल ड़ाडोलिया छिंदवाड़ा का भारिया जनजातीय भडम नृत्य, उज्जैन के सुश्री कृष्णा वर्मा के नेतृत्व में मटकी लोक नृत्य, राहुल धुर्वे सिविनी के नेतृत्व में गोंन्ड जनजातीय सैला नृत्य सम्मिलित हुए, यह सभी दल श्री महाकालेश्वर भगवान की सवारी के साथ अपनी प्रस्तुति देते हुए चले। सभी जनजातीय दल संस्कृति विभाग भोपाल, जनजातीय लोक कला एवं बोली विकास अकादमी मध्यप्रदेश संस्कृति परिषद व त्रिवेणी कला एवं पुरातत्वव संग्रहालय के माध्यम से भगवान श्री महाकालेश्चर जी की चतुर्थ सवारी सहभागिता की। भगवान श्री महाकालेश्वर जी की नगर भ्रमण पर निकलने वाली सवारी में मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव की मंशानुरूप सवारी को भव्य स्वरुप देने के लिए प्रसंग (थीम) अनुसार 04 अगस्त 2025 को निकलने वाली चतुर्थ सवारी में मध्यप्रदेश के वन्य जीव पर्यटन, धार्मिक पर्यटन, ऐतिहासिक पर्यटन, ग्रामीण पर्यटन की झाकियां निकाली गई।

धार्मिक नगरी में 36 इंच के आंकड़े से 20 इंच दूर अभी बारिश

2250 एमसीएफटी की क्षमता वाले गंभीर डेम में 483 एमसीएफटी पानी

उज्जैन। इस बार मानसून ने शहर में समय से पहले दस्तक दी थी। नौतपा में बारिश हुई थी और 15 जून को आने वाला मानसून कुछ दिन पहले ही आ गया था। लेकिन अब धार्मिक नगरी से मानसून में बेरुखी बना रखी है। शहर की औसतन बारिश का आंकड़ा 36 इंच जिसमें अभी 20 इंच की जरूरत है। जलप्रदाय का सबसे बड़ा जल स्त्रोत गंभीर डेम क्षमता का 20 प्रतिशत भी नहीं भर पाया है।

देश में मानसून केरल के रास्ते जून माह के प्रथम सप्ताह में दस्तक देता है और मध्य प्रदेश में मानसून की शुरुआत 15 जून के बाद होती है। इस बार मानसून जल्द आया देश के कई हिस्सों में झमाझम बारिश हुई और बाढ़ के हालात दिखाई दिए। मध्य प्रदेश की धार्मिक नगरी उज्जैन में मानसून की झड़ी दिखाई नहीं दी। सावन माह में अच्छी बारिश की उम्मीद जताई जा रही थी लेकिन बादलों की बेरुखी के बाद पिछले कई दिनों से बारिश का दौर थमा हुआ है। अब तक शहर में 16 इंच बारिश दर्ज की गई है। शासकीय जीवाजीराव वेधशाला अधीक्षक डॉ. राजेंद्र कुमार गुप्त के अनुसार और शैतान बारिश का आंकड़ा 36 इंच है, जिसके पूरा होने में अभी 20 इंच की कमी बनी हुई है। वैसे वर्षाकल का समय 15 सितंबर तक है, इस बीच होने वाली बारिश से औसतन आंकड़ा पूरा होने की उम्मीद है। मौसम वैज्ञानिकों की माने तो शहर में 19 अगस्त के बाद बारिश का दूसरा दौर शुरू हो सकता है। इस बीच रुक-रुक कर बारिश हो सकती है।

बारिश नहीं हुई तो जल संकट का खतरा

मानसून की बेरुखी से शहर में जलसंकट के आसार बने हुए हैं एक दिन छोड़ जलप्रदाय हो रहा है। 33 साल पहले शहर को प्रतिदिन जलप्रदाय किए जाने के लिए गंभीर डेम का निर्माण किया गया था। जिसकी क्षमता 2250 एमसीएफटी की रखी गई थी। वर्ष 2010 बाद जल स्त्रोत के सबसे प्रमुख संसाधन गंभीर की क्षमता शहर के विकसित होते क्षेत्र के चलते कम पड़ने लग गई थी। इस वर्ष वर्षाकाल की दस्तक के बाद भी जल संकट के आसार बने हुए हैं। वर्तमान में एक दिन छोड़ जलप्रदाय हो रहा है 2250 एमसीएफटी की क्षमता वाले गंभीर डेम में 483 .35 एमसीएफटी पानी है उसमें भी 100 एमसीएफटी पानी डेड स्टोर का है। चैनल कटिंग के माध्यम से गंभीर में पानी लाया जा रहा है जिसके चलते वर्तमान में जलप्रदाय की सप्लाई हो रही है। अगर आगामी दिनों में बारिश नहीं हुई तो शहर जल संकट के मुहाने पर खड़ा दिखाई देगा।

गिर रहा जलस्तर

मई और जून माह के बीच कोई बारिश के बाद नलकूप और कुंओं का जलस्तर कुछ बढ़ता दिखाई दिया था लेकिन बारिश थमने के बाद एक बार फिर से जलस्तर गिरता दिखाई दे रहा है। कई क्षेत्रवासियों को पानी के लिए एक बस्ती से दूसरी बस्ती की ओर जाना पड़ रहा है। शिप्रा नदी के आसपास क्षेत्र का जलस्तर ठीक-ठाक बना हुआ है लेकिन नए शहर में जलस्तर काम होना सामने आ रहा है। अब तक हुई 16 इंच बारिश के बाद किसानों ने खेतों का रुख कर फसल की बोनी कर ली है, लेकिन आगामी समय में बारिश नहीं हुई तो किसानों को भी नुकसान उठाना पड़ सकता है।

रामायण के पात्रों की वर्तमान समय में प्रासंगिकता पर हुई व्याख्यान प्रतियोगिता

उज्जैन। रामायण केंद्र उज्जैन इकाई एवं श्री हरि आध्यात्मिक सनातन सेवा संस्थान, उज्जैन के संयुक्त तत्वावधान में तुलसी जयंती के उपलक्ष्य में रामायण के विभिन्न पात्रों की वर्तमान समय में प्रासंगिकता विषय पर शहर के चार स्कूल में व्याख्यान प्रतियोगिता आयोजित हुई। प्रतियोगिता में ज्ञान वर्षा हॉयर सेकंडरी स्कूल, आलोक हॉयर सेकंडरी स्कूल, सरस्वती विद्या मंदिर मारुतिगंज और श्री महाकालेश्वर शोध संस्थान के विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय और तृतीय चयन उपरांत कुल बारह विद्यार्थियों के नाम प्राप्त हुए। रामायण केंद्र के संयोजक डॉ. प्रवीण जोशी ने बताया कि व्याख्यान प्रतियोगिता का विचार, सनातन, आध्यात्म और दर्शन के लिए समर्पित वरिष्ठ समाजसेवी हरि सिंह यादव और उनकी रजिस्टर्ड संस्था श्री हरि आध्यात्मिक सनातन सेवा संस्था के द्वारा किए जा रहे कार्यों से प्रेरित होकर तुलसी जयंती मनाने का निर्णय लिया गया। तुलसी जयंती के आयोजन से इन चयनित विद्यार्थियों की रामायण के विभिन्न पात्रों की वर्तमान समय में प्रासंगिकता विषय पर व्याख्यान प्रतियोगिता रामचरित मानस, हिन्दी विभाग विक्रम विश्वविद्यालय में होगी तथा अंतरविद्यालयीन प्रतियोगिता में चयनित प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान वाले विद्यार्थी को 10 अगस्त के दिन महाकाल पैलेस अरविंद नगर में नमः शिवाय जाप के भव्य आयोजन में सम्मानित और पुरुस्कृत किया जाएगा। हरि सिंह यादव ने उज्जैन सभी सनातन और धर्म प्रेमियों से अपील की है कि 10 अगस्त को होने वाले भव्य और दिव्य आयोजन का हिस्सा बनें।

कपल का हुआ संस्थापन समारोह

उज्जैन। लायंस क्लब उज्जैन अभिनव के ऊर्जावान अध्यक्ष लायन राजेश सोनी, सचिव जितेंद्र चौहान सहित 2025-26 की नई टीम का संस्थापन पूर्व डिस्ट्रिक्ट गवर्नर एमजेएफ लायन भगवान दास ऐरन के मुख्य आतिथ्य एवं संस्थापन अधिकारी पूर्व डिस्ट्रिक्ट गवर्नर एमजेएफ लायन आर के चौरसिया एवं बीजेपी के जिलाध्यक्ष लायन संजय अग्रवाल के विशिष्ट आतिथ्य में सम्पन्न हुआ। मिशन 1.5 के तहत 5 नए सदस्यों को शपथ कार्यक्रम समन्वयक एमजेएफ लायन संजय सक्सेना ने दिलाई। कार्यक्रम का प्रभावी संचालन लायन डॉ प्रिंस कुशवाह एवं लायन राहुल पंड्या द्वारा किया गया।

फर्जी पुलिस भर्ती परीक्षा देने वाले को सजा

उज्जैन। 8 साल पहले फर्जी रूप से पुलिस भर्ती परीक्षा देने वाले युवक के खिलाफ पुलिस ने मामला दर्ज किया था। लंबी न्यायालयीन प्रक्रिया के बाद आरोपी को 2 साल की सजा सुनाई गई है। मीडिया सेल प्रभारीकुलदीपसिंह भदौरिया ने बताया कि 29 सितंबर 2016 को यूएसटी ग्लोबल भोपाल कंपनी द्वारा कम्प्यूटर बायोमेट्रिक डाटा के अनुसार आरक्षक संवर्ग कांस्टेबल भर्ती परीक्षा आयोजित कराई थी। उज्जैन माधवनगर थाना क्षेत्र के कॉलेज में भी परीक्षा सेंटर बनाया गया था। जहां परीक्षा देने के लिये मुरैना स्थित सबलगढ़ के ग्राम मांगरोला से रामअवतार पिता रमहंत रावत सेंटर पर पहुंचा था। केन्द्र पर जांच के दौरान परीक्षार्थी के उंगलियों के निशान का मिलान किया गया तो सही नहीं पाये गये। उंगलियों पर चिपचिपा पदार्थ होना सामने आया। परीक्षार्थी से पूछताछ करने पर परीक्षा दिनांक व समय तथा परीक्षा केन्द्र की जानकारी भी सही नहीं बताया पाया। उसके हस्ताक्षर भी कम्प्यूटर पर लोड फार्म में हस्ताक्षर से भिन्न होना प्रतीत होना सामने आये। परीक्षार्थी संदिग्ध प्रतीत होने पर उसे माधवनगर पुलिस के सुपुर्द किया गया। जहां तत्कालीन उपनिरीक्षक विजय सनस ने अनुसंधान कर चालन न्यायालय में प्रस्तुत किया। 8 साल चली सुनवाई के बाद प्रथम श्रेणी न्यायिक मजिस्ट्रेट अर्पित जैन ने फैसला सुनाते हुए आरोपी रामअवतार को धारा 419, 120 बी भादवि के अंतर्गत 2 साल की सजा और 3 हजार के अर्थदंड से दंडित किया। प्रकरण में प्रभारी उपनिदेशक अभियोन राजेन्द्र कुमार खांडेगर द्वारा अनुसंधान मे विधिक परामर्श और साक्ष्य संकलन में मार्गदर्शन किया। प्रकरण में पैरवी एडीपीओ हार्दिक देवकर द्वारा की गई।

केंद्रीय जेल में सुबह 8 से दोपहर 2 बजे तक मनेगा रक्षाबंधन

बहनों को मिलेगा 15 मिनट का समय, प्रवेश से पहले होगी सामान की चेकिंग

उज्जैन। भाई-बहन के स्नेह का प्रतीक रक्षाबंधन का पर्व 9 अगस्त को मनाया जायेगा। केन्द्रीय जेल भैरवगढ़ में भी रक्षाबंधन की तैयारियां शुरू हो चुकी है। बंदी भाइयों से मिलने के लिये बहनों को 15 मिनट का समय दिया जायेगा। 6 घंटे तक जेल में पर्व का उत्साह बना रहेगा।

केन्द्रीय जेल अधीक्षक मनोज साहू ने बताया कि प्रतिवर्षानुसार इस बार भी रक्षाबंधन पर सुबह 8 बजे से दोपहर 2 बजे तक बंदी भाइयों से बहनें मुलाकात कर रक्षासूत्र बांध सकेगी। बहनों को बंदी भाइयों से मिलने के लिये 15 मिनट का समय दिया जायेगा। जेल प्रांगण में ही पर्व मनाने की व्यवस्थाएं शुरू कर दी गई है। जेल नियमों के अनुसार रक्षाबंधन पर सिर्फ महिलाओं को मुलाकात और रक्षासूत्र बांधने की अनुमति दी जायेगी। उनके साथ 3 साल के बच्चों को प्रवेश की अनुमति रहेगी। 15 मिनट का समय बहनों को दिया जायेगा। इस दौरान बहनों को मुलाकात पंजीयन के लिये फोटोयुक्त परिचय पत्र एव आधार कार्ड की छायाप्रति लाना अनिवार्य होगी। एक बंदी से एक बार ही मुलाकात कराई जायेगी। सभी बहने एक साथ आ सकती है। सभी को सुबह के समय जेल परिसर में प्रवेश दिया जायेगा। दोपहर बाद प्रवेश की अनुमति नहीं होगी। जेल अधीक्षक ने बताया कि बहनों को बंदी भाइयों से मुलाकाल और रक्षासूत्र बांधने के दौरान झोला, बेग, पर्स, केरीबैग ले जाने पर प्रतिबंध रहेगा। वहीं नगद राशि, मोबाइल, नशीली वस्तु, धारदार वस्तु, बाहर से निर्मित खाद्य सामग्री एवं मिठाई भी प्रतिबंधित रहेगी। नियम एवं निर्देशों के विरुद्ध कार्य पाये जाने पर संबंधित के विरुद्ध सख्त अनुशासनात्मक एवं थाने में प्रकरण दर्जकर अभियोजन की कार्रवाई की जावेगी।

जेल प्रशासन उपलब्ध करायेगा थाली

रक्षाबंधन पर बहनों को जेल प्रशासन की ओर से स्टील की थाली उपलब्ध कराई जायेगी। जिसमें राखी, कुमकुम, चावल, फुटा हुआ नारियल, 250 ग्राम मिठाई, एक फल रखने की अनुमति होगी। बहनों को सभी सामग्री जेल केंटिन से प्राप्त करना होगी। रक्षाबंधन भाई-बहन के प्रेम का प्रतीक त्यौहार की गरिमा बनाये रखने हेतु, उपरोक्त निदेर्शो का पालन करना होगा। बहनें अपने बंदी भाई की कलाई पर रक्षा-सूत्र बांधकर उपहार के रूप में बुराई त्यागने का वचन भी मांगे जैसे आपराधिक प्रवृत्ति का त्याग करेंगे, कभी नशा नहीं करेंगे, कानून का पालन करेंगे, सदमार्ग पर चलेंगे तथा अच्छे नागरिक बनेंगे।

9 को रक्षा बंधन | **9 अगस्त को मनेगा भाई-बहन के प्रेम और सुरक्षा के बंधन का प्रतीक रक्षाबंधन**

श्रवण नक्षत्र में मनाई जाएगी राखी, इस वर्ष सौभाग्य, सर्वार्थ, सिध्द शोभन योग

नवभारत न्यूज

उज्जैन। रक्षाबंधन का श्रेष्ठ मुहूर्त 9 अगस्त को सुबह 6:15 बजे से दोपहर 1:24 बजे तक है। इस दौरान भद्रा का कोई साया नहीं रहेगा, जो राखी बांधने के लिए शुभ माना जाता है।

ज्योतिर्विद पं. अजय कृष्ण शंकर व्यास के मत से इस वर्ष रक्षाबंधन पर सौभाग्य और शोभन जैसे शुभ योग बन रहे हैं, जो इसे और भी खास बनाते हैं। साथ ही सर्वार्थ सिद्धि सौभाग्यः योग भी बन रहा है, जिसे किसी भी मांगलिक काम के लिए सर्वोत्तम माना जाता है।

ज्योतिर्विद पं. अजय व्यास के अनुसार भद्रा का वास जिस लोक में होता है, उसका प्रभाव भी उसी लोक में होता है। पृथ्वी पर भद्रा को अशुभ माना जाता है और शुभ कार्यों के लिए इसे वर्जित माना गया है। हालांकि, स्वर्ग और पाताल लोक में भद्रा का प्रभाव पृथ्वी जितना अशुभ नहीं होता है।

रक्षाबंधन की पूजा विधि

पं. अजय व्यास के अनुसार रक्षाबंधन की पूजा विधि में एक साधारण पूजा थाली की सजावट की जाती है, जिसमें एक तेल का दीपक, सिंदूर, चावल, मिठाई और राखी होती है। बहनें आरती करके इस अनुष्ठान की शुरुआत करती हैं और अपने भाइयों के माथे पर रोली का तिलक लगाती हैं।

धार्मिक पौराणिक ग्रंथ मान्यताओं मे

पं. अजय व्यास के अनुसार श्रावण पूर्णिमा पर रक्षाबंधन का भी दिन होता है, भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा की जाती है। इस दिन, नमः शिवाय और शिवाय नमः जैसे शिव मंत्रों का जाप करना शुभ माना जाता है। इसके अतिरिक्त, रक्षाबंधन के अवसर पर, येन बद्धो बलिराजा दानवेन्द्रो महाबलः। तेन त्वामपि बध्नामि रक्षे मा चल मा चल जाप भी उत्तम है। श्रावण पूर्णिमा पर, ब्राह्मणों द्वारा तीर्थ स्थलों पर हेमाद्री स्नान का विधान है। यह स्नान 10 प्रकार की सामग्रियों से किया जाता है, जिनमें भस्म, मिट्टी, गोमय, पंचगव्य, गोरज, धान्य, फल, सर्वोषधि, कुशोदक और सुवर्ण शामिल हैं।

हेमाद्री स्नान का महत्व

पं. अजय व्यास के अनुसार आत्मशुद्धि, हेमाद्री स्नान से शरीर और मन की शुद्धि होती है, जिससे व्यक्ति पवित्रता का अनुभव करता है। पाप नाश, इस स्नान को पापों के नाश के लिए भी महत्वपूर्ण माना जाता है। आरोग्य, हेमाद्री स्नान से आरोग्य की प्राप्ति होती है। तीर्थ स्नान तीर्थ स्थलों पर यह स्नान विशेष रूप से महत्वपूर्ण माना जाता है, क्योंकि इससे तीर्थों के पुण्य फल की प्राप्ति होती है। रक्षाबंधन का त्योहार भाई-बहन के प्रेम और सुरक्षा के बंधन का प्रतीक है। इस दिन बहनें अपने भाइयों की कलाई पर राखी बांधती हैं और उनकी समृद्धि, आनंद और कल्याण और स्वयं की सुरक्षित भावना रक्षा के लिए हार्दिक प्रार्थना करती हैं।